नाम - राहुल गोयल
पेपर - MP TEST (Full)
दिनाँक - 24-03-2022

प्रश्न 1.1 पू./M =03

उत्तर दलपतशाह, गोण्ड शासक संग्रामशाह के पुत्र और चंदेल राजकुमारी रानी दुर्गावति के पति थे।

प्राप्तांक

प्रश्न 1.2 पू./M =03

उत्तर धामोनी का किला सागर मे स्थित है, धामोनी में प्रतिवर्ष धामोनी उर्स मेला लगता है।

प्राप्तांक

प्रश्न 1.3 पू./M =03

उत्तर कीर्तिवर्मन जेजाकभुक्ति (बुंदेलखण्ड) के चंदेल शासक थे। इनकी जानकारी कृष्णा मिश्र के प्रबोधचंद्रोदय नाटक से मिलती है।

प्राप्तांक

प्रश्न 1.4 पू./M =03

उत्तर मदनवर्मन जेजाकभुक्ति के चंदेल शासक थे। इनकी जानकारी विदिशा अभिलेख से मिलती है। रीवा के त्योंथर से चांदी के सिक्के मिले है।

प्राप्तांक

प्रश्न 1.5 पू./M =03

उत्तर रामचंद्र बघेल वंशी शासक था, इनके राज्याश्रय में तानसेन रहते थे, जिन्हें लेने अकबर ने जलालखाँ को भेजा था।

प्राप्तांक

प्रश्न 1.6

उत्तर मालेराव होलकर, खाण्डेराव होलकर व देवी अहिल्याबाई होलकर के पुत्र थे। इन्होने एक वर्ष होलकर रियासत पर शासन किया।

प्रश्न 1.7

उत्तर शाहजहाँ बेगम भोपाल की शासिका (1868-1901) थी। इनके समय भोपाल रियासत का मानचित्र बना, ताजुल मस्जिद, शाहजहाँनाबाद नगर बनाया गया।

प्रश्न 1.8

उत्तर सुल्तान जहाँ बेगम 1901 से 1926 तक भोपाल की शासिका रहीं। इन्होनें भोपाल राज्य को द तीन भाग मे बांटा था, इनके पुत्र मो. हमीदुल्ला खां थे।

प्रश्न 1.9

उत्तर मालवा के प्रमुख पर्व - गुडी पड़वा, गणगौर, रामनवमी, नागपंचमी, रक्षाबंधन, हर्यागोधा, जन्माष्टमी, दीवाली, नवरात्रि आदि।

प्रश्न 1.10

उत्तर ग्वालियर का किला राजा सूरजसेन ने गालव ऋषि की स्मृति मे 500 ईसवी में बनवाया था, इसे किलों का रत्न व पूर्व का जिब्राल्टर कहते हैं

प्रश्न (11)

उत्तर

प्रश्न (12)

उत्तर आल्हागायन बुंदेलखण्ड का लोकगीत है यह श्रावण मास में गाया जाता है। यह पं. जगनिक की कृति आल्हाखण्ड पर आधारित है।

प्रश्न (13)

उत्तर ~~कानाबाबा~~

प्रश्न (14)

उत्तर कानाबाबा का मेला हरदा के सोडलपुर में प्रतिवर्ष लगता है। कानाबाबा हरदा के प्रसिद्ध संत थे।

प्रश्न (15)

उत्तर बाघ की गुफाऐं धार जिले में बाघ नदी के किनारे स्थित है। इनकी खोज 1818 में डेंजर फील्ड ने की। ये गुप्तकालीन है।

प्रश्न 2.1

उत्तर गोंडवाना रियासत की स्थापना 14 वी शताब्दी में यादवराय (जादोराय) ने की जिसकी जानकारी मण्डला के रामनगर अभिलेख से मिलती है। इसका प्रमुख शासक संग्रामशाह था जिसने 52 गढ़ो को जीत का ~~52~~ बावन गढाधिपति की उपाधि धारण की। इसका पुत्र दलपतशाह था जिसकी मृत्यु के बाद रानी दुर्गावति ने शासन किया, इसके काल में गोंडवाना रियासत बहुत समृद्ध हो गयी जिसके कारण मुगल बादशाह अकबर ने आसफ खाँ को भेजकर रानी दुर्गावति से नर्रई में युद्ध कराया जिसमे रानी शहादत हो गई।

प्रश्न 2.2

उत्तर चरखारी रियासत बुंदेलखण्ड की एक प्रमुख रियासत थी जिसकी स्थापना छत्रसाल के पुत्र जगत राज ने की थी। इनके पश्चात राजा खुमान सिंह और इनके पुत्र विजय बहादुर सिंह राजा रहे। विजय बहादुर ने ईसानगर तालाब और विजय सागर का निर्माण करवाया। विजय बहादुर ने 1822 ई. में रतन सिंह को अपना उत्तराधिकारी बनाया जिसका विरोध जैतपुर के राजा परीक्षत ने किया। इसी कारण राजा रतन सिंह अपने काका परीक्षत से नाराज रहे, और बुंदेला विद्रोह के दौरान अंग्रेजों का साथ दिया।

प्रश्न 2.3

पू./M =05

प्राप्तांक

उत्तर जहाँगीर महल की विशेषताऐं :-
1) यह ओरछा में स्थित है। इसका निर्माण (1518) विरसिंह जुदेव बुंदेला ने अपने मित्र व मुगल बादशाह जहाँगीर के आतिथ्य में बनवाया था।
(2) इसके निर्माण में संगमरमर पत्थर का उपयोग हुआ है।
(3) यह बुंदेली और इस्लामिक शैली का बेजोड़ नमूना है।
(4) इसके चारो कोने पर विशाल गुम्बदें हैं और बीच में विशाल आंगन है।
(5) इसमे दो दरवाजे है पूर्वी और पश्चिमी।

प्रश्न 2.4

पू./M =05

प्राप्तांक

उत्तर बघेलखण्ड मे बघेल वंश ने शासन किया जिसकी स्थापना व्याघ्रदेव ने की थी। यहाँ अनेक शासको ने शासन किया और स्थापत्य का विकास किया जैसे -
रीवा का किला - विक्रमादित्य / विक्रमजीत
मैहर का किला - भैदचंद्र
अमरपाटन का किला - राजा अमरसिंह
केवटी दुर्ग (रीवा) - सालिवाहन

प्रश्न. 2.5

उत्तर मल्हारराव होल्कर का जन्म 1700 ई में पुना में हुआ माता-पिता की मृत्यु बचपन में होगई तो मामा के यहां पालन पोषण हुआ, 1716 में मराठा सेना में शामिल हुए, कुछ समय बाद बड़वानी में जागीर प्राप्त की। 1724 को संवेगपुर (राजगढ़) के युद्ध में चिमनजी अप्पा के साथ मिलकर मुगलों को पराजित किया, अच्छे शौर्य व पराक्रम से प्रभावित होकर बाजीराव ने मालवा मालवा की सूबेदारी देदी बाद में 1731 में मल्हारराव होल्कर ने इंदौर में होल्कर रियासत की स्थापना की।

प्रश्न 2.6

उत्तर नवाब हमीदुल्ला खां भोपाल रियासत के अंतिम नवाब थे। 1926 ई. में अपनी माता सुल्तान बेगम से भोपाल की नवाबी प्राप्त की। अपने कार्यों के कारण इन्हें इफ्तियार ए-मुल्क (देश का गौरव) की उपाधि प्राप्त की। इन्होंने लंदन चेंबर ऑफ प्रिंसेस की सदस्यता ली। ये मोहम्मद अली जिन्ना और मुस्लिम लीग के समर्थक थे यही कारण था कि 1947 में स्वतंत्रता के बाद इन्होंने भारत संघ में विलय पर आपत्ति जतायी, परन्तु भोपालविलिनीकरण जनआंदोलन और सरदार पटेल के दबाव के कारण 1 जून ~~1948~~ 1949 को विलय पत्र पर हस्ताक्षर किये।

प्रश्न 2.7

उत्तर म०प्र० देश का सर्वाधिक जनजातिय जनसंख्या वाला राज्य है जो राज्य की 2 जनसंख्या का 21.1% है। राज्य में अनेक जनजाति जैसे भील, गोंड बेगा आदि निवास करती, इनकी अपनी अलग विशिष्ट संस्कृति है जिससे कारण होने देश विदेश से पर्यटक आते है। इसे और बढ़ावा देने हेतु राज्य सरकार और पर्यटन बोर्ड पर्यटन ग्रामों का विकास कर रही है आदिवासी क्षेत्र में होम स्टे योजना कार्यान्वित है जिससे यहां रोजगार भी सृजित हुआ। इसका प्रचार प्रसार कर जनजातिय पर्यटन को विश्व स्तरीय बनाया जा सकता है

प्रश्न 2.8

उत्तर पचमढ़ी होशंगाबाद जिले में सतपुड़ा पर्वत श्रेणी पर स्थित है। इसे सतपुड़ा की रानी भी कहा जाता है। इसकी खोज 1818 ई एक अंग्रेज अधिकारी फोरसोथ द्वारा की गई। यहां अनेक दर्शनीय और ऐतिहासिक स्थल और प्राकृतिक स्थल है। यहां प्रियदर्शिनी पॉइंट, हांडी खोह, रजत फॉल, बी-फॉल, पाण्डव गुफाऐं, हार्पर गुफा, अप्सरा फॉल, राज्य की सबसे ऊँची धूपगढ़ चोटी, राज्य का एक मात्र हिल स्टेशन, माड़ा देव रॉक पेंटिंग्स, जटाशंकर की गुफाएें आदि स्थित है।

प्रश्न 2.9

उत्तर भूषण मध्यकालीन भारत के प्रमुख कवि थे ये वीर रस प्रधान कवि थे। ~~रीतिकाल की~~ भूषण का जन्म 1613 में कानपुर मे हुआ था इन्हे राजा छत्रसाल और छत्रपति शिवाजी महाराज के यहाँ राज्याश्रय प्राप्त था। इनकी प्रमुख रचनाएँ - शिवा बावनी, शिवराजभूषण, भूषण हजारा, भूषण उल्लास, छत्रसाल दशक आदि है।
इनकी रचनाओं की प्रमुख विशेषता है कि ये युद्ध का वातावरण तैयार कर देती है और योद्धाओ में जोश भर देती है।

प्रश्न 2.10

उत्तर उस्ताद अमीर खां का जन्म 1912 में हुआ था इनका संबंध भारतीय संगीत के इंदौर घराने से है। इनके पिता शाहमीर खां संतूर और वीणावादक थे। इनके गुरू आमीन अली खां और वाहिद अली खां थे।

उस्ताद अमीर खां तराना और खाल गायकी में निपुण थे। इन्होंने तत्कालीन फिल्म 'तानसेन' और 'गूंज उठी शहनाई' में संगीत दिया है। उस्ताद अमीर खां ने इंदौर घराने को नई पहचान दिलाई है तथा इसे समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

B3 Branches - • Tilak Nagar • Bhanwar

प्रश्न: 3.1
उत्तर

रानी अवंतीबाई रामगढ़ रियासत जो कि मण्डला मे स्थित थी की शासिका थी। उल्लेखनीय है कि रानी अवंतिबाई का जन्म 16 अगस्त 1831 मे सिवनी के जमींदार राव जुझार सिंह के यहां हुआ। बचपन से रानी युद्ध कौशल में पारंगत थी। इनका विवाह रामगढ़ रियासत के शासक लक्ष्मण सिंह के पुत्र विक्रमादित्य लोधी से हुआ था लक्ष्मण सिंह की मृत्यु के बाद 1851 में विक्रमादित्य शासक बने परंतु कुछ ही समय बाद उनकी मृत्यु हो गई।

तब देश मे लॉर्ड डलहौजी की हड़प नीति लागू थी। इसी नीति के तहत रामगढ़ रियासत को कुशासन का आरोप लगाकर ब्रिटिश साम्राज्य में मिला लिया। रानी अवंतिबाई इसके विरोध मे थी अत: उन्होने ~~समझ~~ अंग्रेजी सत्ता को उखाड़ फेकने का निर्णय लिया और आसपास के राजाओ, जमींदारो को संदेश पत्र व दो चूड़िया भेजी जिसका आशय था कि अंग्रेजो के विरुद्ध युद्ध के लिये तैयार हो जाओ या चूडी पहनकर घर मे बैठे रहो।

देश में 1857 की क्रांति की लपटे उठ रही थी। रामगढ़ भी इससे अछूता नहीं था। रानी अवंतिबाई और अंग्रेजी सेना जिसका नेतृत्व वाशिंगटन कर रहा था के मध्य खेरी का युद्ध हुआ जिसमे अंग्रेज पराजित हुए और रामगढ़ रियासत स्वतंत्र होगई (दिसंबर 1857 से फरवरी 1858 तक)

तत्पश्चात अंग्रेजी सेना ने पुन: आक्रमण किया इसबार इनका साथ रीवा रियासत के शासक रघुराज प्रताप सिंह दे रहे थे। देवहारगढ़ के जंगलो में रानी अवंति बाई के साथ अंग्रेजों ने युद्ध लड़ा परन्तु रानी ने अपनी कमजोर स्थिति देखते हुए स्वयं को अपनी तलवार से समाप्त कर लिया

ताकि अंग्रेज जीते जी उन्हे छू भी न सकें। अंत में रामगढ़ रियासत पुन: ब्रिटिश साम्राज्य में सम्मिलित हो गई।

रानी अवंतिबाई प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में शहीद होने वाली प्रथम महिला शासिका थी उनकी शहादत को देश सर्वत्र याद रखेगा।

प्रश्न 3.2

उत्तर- चंदेल शासक यशोवर्मन का पुत्र धंग चंदेल वंश का महान शासक था। उसने 954 से 1002 ई तक शासन किया। राजा धंग चंदेलो की स्वतंत्रता का वास्तविक जन्म दाता था। धंग के बारे में जानकारी खजुराहो के लेखों से मिलती है। खजुराहो के लक्ष्मण मंदिर से कई लेख प्राप्त हुए जिनसे राजा धंग की उपलब्धियों की जानकारी मिलती है।

धंग ने अपने बाहुबल से ग्वालियर, बनारस को जीत लिया। ग्वालियर विजय महत्वपूर्ण थी इस विजय के बाद धंग ने स्वयं को प्रतिहारो से मुक्त घोषित कर दिया था।

राजा धंग ने कालिंजर को जीतकर उसे अपनी राजधानी बनाया। कालिंजर का अभेद दुर्ग के कारण कल्चुरी, प्रतिहार, पाल आदि उसे प्राप्त करना चाहते थे, परंतु राजा धंग से ले कर दिखाया।

राजा धंग वैदिक और ब्राम्हण धर्म को मनता था साथ अन्यो धर्मो का संरक्षक भी था उसने जैनो को संरक्षण दिया। इसी के काल में विश्वविख्यात जिननाथ, विश्वनाथ, वैद्यनाथ मंदिरों का निर्माण हुआ। राजा धंग के समय खजुराहो में सर्वाधिक मंदियो का निर्माण हुआ।

धंग ने ब्राह्मणों को संरक्षण दिया तथा उन्हें भूमि दान दी। यशोवर्मा के नन्यौरा अभिलेख से ज्ञात होता है कि उसने भट्टयशोधर नामक ब्राह्मण को एक गाँव दान मे दिया। धंग का प्रधान मंत्री प्रभास नामक ब्राह्मण था।

धंग ने शिव का एक भव्य मंदिर खजुराहो में बनवाया जिसमे मरकतपत्थर से निर्मित शिवलिंग स्थापित करवाया।

धंग ने ओड्रों से युद्ध किया, हिंदुशाही शासक जयपाल को सुबुक्तगीन के विरुद्ध सहायता भेजी। धंग के काल जेजाकभुक्ति का विस्तार हुआ। वह एक शक्तिशाली शासक होने के साथ संस्कृति, ललित कलाओं, विद्वानों का संरक्षक भी था।

अपने जीवन के 100 वर्ष पूरे होने के बाद उसने गंगा - यमुना संगम (प्रयाग) में जल समाधी लेली। धंग की मृत्यु के बाद उसका पुत्र गंड शासक बना (1002 - 1019ई)। प्रतिहार, कलचुरि चेदि, ग्वालियर के कच्छपघात उसकी अधीनता स्वीकार करते थे।

प्रश्न 3.3

उत्तर

ग्वालियर रियासत के संस्थापक राणोजी सिंधिया थे। उल्लेखनीय है कि मराठा पेशवा ने 1728 मे मल्हार राव होल्कर व राणो जी सिंधिया को मालवा का सूबेदार बनाया 1732 में राणोजी को उज्जैन का शासक घोषित कर दिया, सिंधिया राज्य में उज्जैन, शाजापुर, सुजालपुर मक्सी, गुना, ग्वालियर शामिल थे जिनकी राजधानी - उज्जैन थी।

1745ई मे राणो जी की मृत्यु बाद महादजी जी शासक बने। महादजी सिंधिया ने प्रथम आंग्ल मराठा युद्ध व पानीपतके तीसरे (1761) युद्ध मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महादजी ने दिल्ली के शासक शाहआलम द्वितीय को कैद से मुक्त कराक दिल्ली की गद्दी पर आसीन कराया। लोकेन्द्र सिंह जाट से ग्वालियर पुनः जीत लिया।

अगला शासक दौलतराव (1794 से 1827ई तक) सिंधिया बना। इसने द्वितीय व तृतीय आंग्ल मराठा युद्ध में भाग लिया। इनकी माता बैजा बाई ने उज्जैन मे गोपाल मंदिर बनवाया। यशवंत राव होल्कर से पराजित होने के बाद 1810 मे ग्वालियर को अपनी राजधानी बनाया। अगले शासक जनकोजीराव सिंधिया शासक बने जो 1827 से 1843ई तक रहे।

जयाजीराव अगले शासक बने (1843 - 1886ई) इनके काल की प्रमुख घटना 1857 की क्रांति है। जिसमे ये अंग्रेजो के निष्ठावान बने रहे। 1874 में जयविलास पेलेस बनवाया जिसके वास्तुकार माइकल फिलोसे थे।

माधवराव सिंधिया इनके उत्तराधिकारी बने (1886 से 1925ई)। इन्हे आधुनिक ग्वालियर का निर्माता कहते है। 1905मे जल प्रबंध पर कार्य किया, विद्युत उत्पादन शुरू हुआ 1895-99 में धौलपुर से ग्वालियर रेललाइन बिछी, 1905 मे ही ग्वालियर व्यापार मेला प्रारंभ हुआ, 1925 में समारोह प्रारंभ करवाया।

ग्वालियर रियासत के अंतिम शासक जीवाजी राव सिंधिया थे। भारत की स्वतंत्रता (1947) बाद 13 जनवरी 1948 को ~~ग्वालियरियासत~~ ग्वालियर रियासत को भारत संघ मे शामिल किया।

प्रश्न 3.4 उत्तर

मध्यप्रदेश प्राचीन काल से साहित्य सृजन की स्थली रही है यहां अनेक साहित्यकारों का जन्म हुआ भृतहरि, कालिदास, पद्माकर, मुक्तिबोध, हरिशंकर परसाई, सुभद्राकुमारी चौहान, शरद जोशी आदि। राज्य के गठन के बाद राज्य में विभिन्न प्रकार के साहित्य को बढावा देने हेतु अनेक संस्थान स्थापित हुई हैं जिनमे से कुछ इस प्रकार हैं।

1) म.प्र. साहित्य परिषद → 1954 में गठित, मुख्यालय - भोपाल। प्रदेश में साहित्य के सृजन, संरक्षण और संवर्धन को प्रोत्साहित करने की शीर्ष एजेन्सी के रूप में स्थापित परिषद का मुख्य उद्देश्य साहित्यकारों को पुरस्कृत करना है।

2) म.प्र. संस्कृत अकादमी → स्थापना - 1985, मुख्यालय - भोपाल उद्देश्य - संस्कृत साहित्य का संरक्षण, संवर्धन व विकास।

3) म.प्र. उर्दु अकादमी → (भोपाल) 1976 में स्थापित इस संस्थान का उद्देश्य उर्दु साहित्य का संरक्षण, उन्नयन व प्रोत्साहन देना है।

4) म.प्र. हिंदी ग्रन्थ अकादमी → 1968 में स्थापित, यह विश्वविद्यालयीन पाठ्य सामग्री और संदर्भ ग्रंथो का प्रकाशन करती है।

5) म.प्र. तुलसी अकादमी - (1987) - समस्त तुलसी साहित्य की खोज, उसका संकलन, उसका प्रकाशन, प्रचार-प्रसार करना।

6) भारत भवन (भोपाल) - 1982 मे न्यास के रूप में स्थापित यह राज्य में विभिन्न कलाओं का परिरक्षण, अन्वेषण, उन्नयन और व्यापक प्रचार - प्रसार करता है।

7) म.प्र. सिंधी साहित्य अकादमी (भोपाल) स्थापना - 1983 उद्देश्य - सिंधी भाषा और साहित्य का संरक्षण और संवर्धन।

प्रश्न 3.5

मध्यप्रदेश देश का सर्वाधिक जनजाति जनसंख्या वाला राज्य है। यहां अनेक जनजातियां पायी जाती है जनजातियों के अपने विशिष्ट पर्व व त्यौहार होते है जिनमें से कुछ इस प्रकार है -

1) रतौना → यह नागा बैगा मनाते है। इसमे मधुमक्खियों की पुजा की जाती है।

2) मेघनाथ → फागुन में गोंड जाति द्वारा मनाया जाता है देवता मेघनाथ की पुजा की जाती है।

3) लारूकाज → इस पर्व मे सुअर की बलि दी जाती है तथा गोंड आदिवासी नारायण देव की पूजा करते है।

4) रसनवा → बैगा जनजाति द्वारा मनाया जाता है। इस पर्व पर शहद खायी जाती है।

5) नवन्ना → यह नई फसल आने पर गोंड आदिवासीयो द्वारा मनाया जाता है। अपने देवता को धान चढ़ाते है

6) छेरता → पोष माह के अंतिम दिन मनाया जाता है। इसके दिन आदिवासी व कृषक काम बंद रखते है और माघ मास के प्रथम दिन अपना हिसाब किताब चुकता करते है

7) छालापर्व → बुंदेलखण्ड के सुवारा से मिलता जुलता पर्व है गोंड जनजाति की कन्याएं "छाला पर्व" मनाती है

8) भगोरिया → भील जनजाति द्वारा मनाया जाता है। विशेष रूप से झाबुआ में। यह होलिका दहन के 7 दिन पुर्व प्रारंभ होता है। इसमे तीन मुख्य दिन होते है - गुगलिया हाट, भगोरिया हाट, उजाड़िया हाट। इसमें युवक-युवतियां अपना जीवन साथी चुनते है।

9) ढैला पर्व → गोंड जनजाति द्वारा मनाया जाता है यह आखातीज से मिलता जुलता है। आदि।

B3 Books

प्रश्न- 01 प्रत्येक अतिलघुउत्तरीय प्रश्न की अपेक्षित शब्द संख्या 10 शब्द/एक पंक्ति होगी। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंक का है। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

Question- 01 The ideal word limit for each short answer question will be 10 words / one line. Each question is of 03 marks. All questions are compulsory.

Part - 2

प्रश्न 1.1

पू./M =03

प्राप्तांक

उत्तर सतपुड़ा पर्वत श्रेणी नर्मदा नदी के दक्षिण उसके समानांतर गुजरात के राजपीपला से अमरकंटक तक विस्तृत है। सर्वोच्च चोटी धूपगढ़ (1350 मी.) है।

प्रश्न 1.2

पू./M =03

प्राप्तांक

उत्तर कछारी मिट्टी म.प्र. में भिण्ड की गोहद, मेहगांव तहसील, मुरैना के जौरा, सबलगढ़, अम्बाह व पोरसा में, आंशिक रूप से शिवपुरी, ग्वालियर, नर्मदा बेसिन में मिलती है

प्रश्न 1.3

पू./M =03

प्राप्तांक

उत्तर म.प्र. में रीवा पन्ना का पठार में भिन्नित मिट्टी (लाल, पीली, काली, दोमट) मिलती है। ये विंध्यन पर्वत के अपरदन से बनी है।

प्रश्न 1.4

पू./M =03

प्राप्तांक

उत्तर म.प्र. में चावल क्षेत्र - बालाघाट (प्रथम), शिवनी कटनी व मंडला रीवा, शहडोल, अनूपपुर, सायसेन आदि।

प्रश्न 1.5

पू./M =03

प्राप्तांक

उत्तर म.प्र. मे चना क्षेत्र - विदिशा (प्रथम), छिंदवाड़ा राजगढ़, उज्जैन, धार आदि।

प्रश्न 1.6

उत्तर म.प्र. सागौन क्षेत्र - होशंगाबाद, हरदा (बोरी घाटी) जबलपुर, रायसेन, मण्डला, सागर बैतूल आदि ।

प्रश्न 1.7

उत्तर म.प्र. तेंदुपत्ता उत्पादन में देश मे प्रथम स्थान पर है। यह मुख्य रूप विंध्यांचल व सतपुड़ा के जंगलो मे पाये जाते है।

प्रश्न 1.8

उत्तर

प्रश्न 1.9

उत्तर भारतीय वन प्रबंधन संस्थान, भोपाल मे है 1982 मे स्थापित । 1988 से दो वर्षीय पाठ्यक्रम स्नातकोत्तर डिप्लोमा शुरू किया गया।

प्रश्न 1.10

उत्तर सिंहपुर बैराज उर्मिल नदी पर छतरपुर में स्थित है।

B3 Branches - • Tilak Nagar • Bhanwarkua • Vishnupuri (In-front of i-bus stop)

प्रश्न 1.11

उत्तर ~~सिंहपुर~~ मान परियोजना मान नदी पर मनावर (धार) में स्थित है।

पू./M =03 प्राप्तांक

प्रश्न 1.12

उत्तर निमाड़ी गाय मूल रूप से निमाड़ (बड़वानी, खरगौन) मे पायी जाती है। यह भारसाधक होती है परन्तु ~~दूध~~ दूध कम देती है।

पू./M =03 प्राप्तांक

1.13

चाँदनी ताप विद्युत केन्द्र राज्य का प्रथम विद्युत केन्द्र है जो नेपानगर मे न्यूजप्रिंट कारखाने हेतु 1953 में ~~स्थ~~ स्थापित हुआ था।

पू./M =03 प्राप्तांक

1.14

म०प्र० मे 7 फूड पार्क व दो मेगा फूड पार्क है। मालनपुर (भिण्ड), जग्गाखेड़ी (मंदसौर), मनेरी (मंडला) बोरगांव (छिंदवाड़ा), निमरानी (खरगोन), खाबई, पिपरिया।

पू./M =03 प्राप्तांक

1.15

म.प्र. मे न्यूनतम जनसंख्या वाले जिले - निवाड़ी, आगर मालवा, हरदा, उमरिया है।

पू./M =03 प्राप्तांक

प्रश्न 2.1

पू./M =05

प्राप्तांक

मालवा का पठार मध्यप्रदेश का सबसे विस्तृत पठार है इसका क्षेत्रफल 88222 वर्ग किमी है जो राज्य के क्षेत्रफल का 28.62% है। यहां की जलवायु समशीतोष्ण है। फाह्यान ने सर्वश्रेष्ठ जलवायु बताया है। यहां की मिट्टी काली है। इस पठार का निर्माण दक्कन ट्रेप के अपरदन और ज्वालामुखी के दरारी उद्‌भेदन से हुआ है। इसे म.प्र. का अन्न का भंडार कहते है। यहां की प्रमुख नदियां चंबल, सिंध, कालिसिंध, नेवज आदि है। यहाँ विंध्यांचल पर्वत श्रेणी का विस्तार है।

2.2

पू./M =05

प्राप्तांक

म.प्र. के रीवा-पन्ना के पठार के आसपास चूना पत्थर बडी मात्रा में पाया जाता है अतः म.प्र. मे सीमेंट उद्योग का अच्छा विकास हुआ है। म.प्र. मे सीमेंट की पहली फैक्ट्री 1922 मे बानमौर (मुरैना) में ACC कंपनी ने खोली। अन्य सीमेंट फैक्ट्रीयां –

- कैमूर सीमेंट फैक्ट्री – सतना – ACC के स्वामित्व में
- सतना सीमेंट फैक्ट्री – सतना – बिरला ग्रुप
- मैहर सीमेंट फैक्ट्री – सतना
- विन्ध्य सीमेंट, मायसेम सीमेंट, जेपी सीमेंट

म.प्र. का सीमेंट उत्पादन मे देश में तीसरा स्थान है।

प्रश्न २.3

उत्तर म०प्र० की जलवायु उष्णकटिबंधीय मानसूनी प्रकार है। इसे राज्य की भौगोलिक संरचना के आधार निम्न भागों में बाँट सकते है –

1) मालवा क्षेत्र की जलवायु → यहाँ सामान्य ग्रीष्म व सामान्य सर्दी पड़ती है।
2) उत्तर का मैदानी क्षेत्र → यहाँ अधिक गर्मी व सर्दी पड़ती है। और वर्षा कम लगभग 75 c.m वार्षिक होती है।
3) विंध्याचल का पर्वतीय क्षेत्र – स्वास्थ्यवर्धक जलवायु
4) पूर्वी म०प्र० की जलवायु → मानसूनी जलवायु।

प्रश्न प्रश्न 2.5

उत्तर म०प्र० में मृदाक्षरण की समस्याँ अनेक नदियों में है परन्तु मुख्य रूप से चंबल नदी के आसपास का क्षेत्र गंभीर रूप से इस समस्या से ग्रसित है। यह निम्न वर्षा, घास व वन विहिन भूमि के कारण अवनालिका अपरदन होता है, जिसके कारण यह 16 कि.मी लम्बी पट्टी में गहरे खड्ड बन गये है जिन्हे चम्बल के बीहड़ कहते है। मृदाक्षरण के दो कारण है (1) प्राकृतिक कारण – शुष्क जलवायु, मृदाक्षरणीय मिट्टी आदि है तो वही मानवकृत कारणों में अतिचारण, वनों की कटाई, नदी से रेत व पत्थर उत्खनन आदि।

... word limit for each short answer question will be 50 words / 5 to 6 lines.
Each question is of 05 marks. All questions are compulsory.

2.4

पू./M =05

म०प्र० मे जलोढ मिट्टी मुख्यतः उत्तरी म०प्र० के भिण्ड, मुरैना, श्योपुर, शिवपुरी, ग्वालियर के आसपास के क्षेत्रों मे पायी जाती है। इसे स्थानीय भाषा मे कॉप या दोमट मिट्टी भी कहते है इसमे बालू की अधिकता होती है यह क्षारीय प्रकृति की होती है इसमें नाइट्रोजन, फास्फेट आदि की कमी होती है। इसका विस्तार राज्य मे 80 लाख एकड क्षेत्र में है। इसमें मुख्य रूप से गेहू व सरसों की फसल बोई जाती है।

2.6

पू./M =05

म०प्र० भारत में हीरा का सबसे बड़ा उत्पादक है। यहाँ पर्याप्त मात्रा मे हीरे का भण्डारण है। लगभग 754000 कैरेट (पेटी) हीरे का भण्डारण है। यह म.प्र. मे बिजावर सीरीज में पायी जाती है जो किंबरलाइट चट्टानों से बनी है। यह दो पट्टीयों मे विस्तृत है उत्तर - पूर्व (केहरिया - पन्ना) से दक्षिण पश्चिम (मझगवां सतना) तक। दूसरी पेटी सकरिया से झण्डा तक विस्तृत यही हीनोता भी प्रमुख हीरा उत्खनन क्षेत्र है। 2017-18 मे 35506 कैरेट हीरे का उत्पादन हुआ था।

प्रश्न 2.7

उत्तर केन - बेतवा लिंक परियोजना देश की प्रमुख नदी जोड़ो परियोजना है। यह पन्ना राष्ट्रीय उद्यान से होकर गुजरेगी। केन नदी के दौधन बांध से बेतवा नदी के बरूआ सागर तक जोड़ा जायेगा।
इस परियोजना को 26 अगस्त 2005 को प्रायद्वीपीय नदी विकास योजनान्तर्गत मंजूरी मिली थी। इससे म.प्र. व उ.प्र. की 8 लाख हेक्टेयर भूमि सिंचित करेगी। 2022 के केन्द्रीय आम बजट मे 44,605 करोड़ रूपये आवंटित हुए है। यह परियोजना बुंदेलखण्ड के लिए वरदान है।

प्रश्न 2.8

उत्तर म.प्र. जलसंपदा के रूप मे पर्याप्त मात्रा में नदी, तालाब, झील, पोखर पाये जाते है। राज्य मे 3.56 लाख हेक्टेयर जल क्षेत्र है जिसमे 3.49 लाख हेक्टेयर जलक्षेत्र में मत्स्य पालन किया जाता है। म.प्र. मत्स्य सहकारी संघ की स्थापना 1979 मे मत्स्यपालन को बढ़ावा व मछुआरो को सुविधाऐ देने के लिए की गई थी। राज्य मे रोहू, कतला मिग्रला आदि मछलियों को पाला जाता है। सर्वाधिक मत्स्यपालन इंदिरा गांधी डेम मे होता है। 2021 मे बालाघाट को मत्स्य विकास हेतु देश में प्रथम स्थान मिला।

2.9

पू./M =05

प्राप्तांक

म०प्र० देश मे सर्वाधिक गोवंशीय पशुओ वाला राज्य है। राज्य मे पशुओं की संख्या 4.06 करोड (2019 पशु संगणना) है जिसमें से गाय 1.87 करोड़ है। अतः राज्य मे गोपाल को बढावा देने के लिए वर्ष 2018 में आचार्य विद्यासागर गोसंवर्धन परियोजना शुरू की गई । इस योजना के अन्तर्गत 10 लाख तक ऋण 25% सरकारी अनुदान पर उपलब्ध कराया जाता है। इसके पात्र व्यक्ति के पास 1 एकड़ भूमि व न्यूनतम 5 पशु होने चाहिए।

2.10

पू./M =05

प्राप्तांक

म०प्र० कुल 7 राष्ट्रीय विमान पत्तन की हवाई पट्टियां है - इंदौर, भोपाल, जबलपुर ग्वालियर, खजुराहो, सतना और खण्डवा। जिनमें से 5 (सतना, खण्डवा को छोड़कर) सक्रिय है। दो अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे है
(1) राजा भोज अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (भोपाल)
(2) देवी अहिल्या बाई होल्कर हवाई अड्डा (इंदौर)

हाल ही मे (2021 मे) इंदौर से दुबई के लिए सीधी फ्लाइट शुरू की गई है। वर्तमान मे इंदौर 23 शहरो के लिए सीधी फ्लाइट उपलब्ध है।

प्रश्न 3.1

उ:

म०प्र० में कोयला के पर्याप्त भण्डार मौजूद है। उल्लेखनीय है कि म.प्र. प्राचीन गोंडवाना लैण्ड के हिस्से का भाग है अतः यहां लोअर गोंडवाना शैल समूह में दो अर्धवृत्ताकार पेटीयों के रूप मे कोयला के भण्डार है कुल अनुमानित भण्डार 2767 मिलियन टन है।

~~सस~~ कोयला आधारित उद्योगों मे प्रमुख रूप से ताप विद्युत संयंत्र से विद्युत बनाने वाले संस्थान आते है। राज्य मे कई विद्युत संयंत्र स्थापित है-

1) विंध्यांचल ताप विद्युत केन्द्र → यह USSR के सहयोग से 1962 मे स्थापित हुआ था जो सिंगरौली के बैढ़न मे स्थित है। इसकी विद्युत उत्पादन क्षमता 4760 मेगावाट ~~अधिक~~ है।

2) सतपुड़ा ताप विद्युत केन्द्र → यह बैतूल के सारणी मे है। (स्थापना -1960) इसकी विद्युत उत्पादन क्षमता 1330 मेगावाट है।

3) अमरकंटक ताप विद्युत केन्द्र → यह अनुपपुर मे स्थित इसे चचाई ताप विद्युत केन्द्र भी कहते है। इसक विद्युत उत्पादन क्षमता - 500 मेगावाट है

4) सांसन अल्ट्रा मेगा प्रोजेक्ट → यह सिंगरौली मे स्थित है यह रिलायंस कंपनी का है इसकी उत्पादन क्षमता - 4000 मेगावाट से अधिक है।

5) बीना ताप विद्युत केन्द्र → यह ताप विद्युत केन्द्र सागर जिले में है। इसकी क्षमता 1000 मेगावाट है।

इसके अलावा कोयला का उपयोग अनेक उद्योगों मे किया जाता है जैसे कांच प्रगलन उद्योग, धातु प्रगलन उद्योग, ब्रिक्स उद्योग, चीनी मिट्टी के बर्तन बनाने के उद्योग, धातु पियाकर मुर्तियां, रेलिंग के डिजाइन बनाने के उद्योग आदि राज्य मे संचालित है।

प्रश्न 3.2

उत्तर- म०प्र० देश का सर्वाधिक जनजाति जनसंख्या वाला राज्य है। म०प्र० में 16 जनजातिय जिले है। ये राज्य की कुल जनसंख्या का 21% है। ये जनजाति अपनी परंपरागत जीवन शैली को अपनाते है जिसमे शिकार करना, जंगलों में रहना, वनोपज एकत्र करना, आदि शामिल है ~~पन्तु~~ परंतु वर्तमान में विकास के युग में इनके रहवास क्षेत्र में बहुत हस्तक्षेप हुआ, जंगलो को संसाधन के नाम पर बर्बाद कर दिया, बड़े-बड़े डेम बनाकर डूब क्षेत्र विकसित करदिया, राष्ट्रीय उद्यान व अभ्यारण्य बनाये आदि कारणो से जनजातियों को अपने परम्परागत क्षेत्र से पलायन करना पड़ रहा है।

राज्य की कुछ आपदा ग्रस्त जनजाति इस प्रकार है।

1) सहरिया → यह चंबल संभाग मे (विशेषतः श्योपुर) पायी जाती है यह कुपोषण और क्षयरोग से ग्रसित है

2) बैगा → मण्डला के आसपास पायी जाती है वर्तमान में पलायन का संकट मंडरा रहा है।

3) भारिया → छिंदवाडा के पातालकोट में पायी जाती है बाढ, भुस्खलन, व सुविधाओं की पहुंच न होने से परेशान है।

4) कोरकू → पश्चिमी सतपुडा बेल्ट मे रहते है, नर्मदा पर पुनासा बांध बने के कारण इनका रहवास डूब क्षेत्र में आगया। अतः पलायन से पीड़ित है।

5) पारधी → यह शिकारी जनजाति है। वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 लागू होने से आजीविका का संकट आगया है।

6) बेडिया → बुंदेलखंड मे लोककलाओं के अप्रचलन होने से आजीविका का संकट मंडरा रहा है।

प्रश्न : 3
उत्तर

म.प्र. को नदियों का मायका कहा जाता है । यहां बहुत सी नदिया प्रवाहित होती है । म.प्र. की सबसे प्रमुख और सबसे बडी नदी नर्मदा नदी है जिसकी कुल लम्बाई 1312 किमी (1077 कि मी मध्यप्रदेश में) है। नर्मदा की कुल 41 सहायक नदिया है । जो मिलकर पंखनुमा या पर ननुमा अपवाह प्रतिरूप का निर्माण करती है । नर्मदा का उद्गम स्थल अमरकंटक चोटी है । नर्मदा घाटी का विस्तार विंध्याचल और सतपुडा पर्वत श्रेणी के मध्य में है । नर्मदा नदी भ्रंश घाटी या रिफ्ट वैली मे तीव्रगति से, झरनों का निर्माण करते हुए अरबसागर में एस्चुरी का निर्माण कर मिलती है।

नर्मदा घाटी राज्य के 14 जिलों मे विस्तृत है। अनूपपुर, मण्डला, डिंडोरी, जबलपुर, नरसिंहपुर, रायसेन सीहोर, होशंगाबाद, हरदा, खण्डवा, बडवानी, देवास धार, खरगोन और अलिराजपुर । यहाँ पश्चिमी भाग में गहरी काली मिट्टी, मध्य मे साधारण काली मिट्टी व पूर्व मे लाल पीली मिट्टी पायी जाती है।

नर्मदा घाटी का क्षेत्रफल 86000 वर्ग किमी है जो राज्य के कुल क्षेत्र का 26% है । इसका निर्माण पश्चिम मे दक्कन ट्रेप के अपरदन व ज्वालामुखी उद्गार तथा पूर्वी भाग विंध्यन, धारवाड, व गोंडवाना शैल समूह के अपरदन व निक्षेपण से हुआ है।

घाटी में गेंहू, कपास, धान, सोयाबीन आदि खाद्यान्न तथा नगदी - जायद फसले होती है। यहाँ औसतन वार्षिक वर्षा 100 से 135 c.m होती है। खनिज की दृष्टि से संतोष जनक है। अमरकंटक मे बॉक्साइट, जबलपुर संगमरमर लौह अयस्क, डोलोमाइट, होशंगाबाद में टंगस्टन, अलिराजपुर मे एस्बेस्टस आदि खनिज मिलते हैं।

प्रश्न 4-

उत्तर

म०प्र० वन सम्पन्न राज्य है तथा देश का सर्वाधिक वनाच्छादित व वृक्षाच्छादित वाला राज्य है। परन्तु राज्य में वन आधारित उद्योग का अधिक विकास नहीं हुआ है। प्राप्त वनोपज से प्लाईवुड, इमारती लकड़ी, कागज उद्योग उल्लेखनीय है। वहीं बीड़ी उद्योग, लघु वनोपज व कुटीर उद्योग के रूप में प्रसिद्ध है। कुछ वन आधारित उद्योग निम्न लिखित है -

1) कागज उद्योग → म०प्र० में कागज का प्रथम कारखाना 1936 में शहडोल के अमलाई में खोला गया था। इसका नाम ओरिएण्टल पेपर मिल है जिसकी उत्पादन क्षमता 1.5 लाख टन प्रतिवर्ष है। इसके कच्चे माल हेतु बांस शहडोल व उमरिया, अनुपपुर से मिल जाते हैं।

नेपानगर नेशनल न्यूजप्रिंट एवं पेपर मिल बुरहानपुर में है जो अखबारी कागज बनाता है। इसके अलावा - नरसिंहपुर में छपाई व लिखाई कागज कारखाना, अमलाई में टिश्यूपेपर मिल, राजगढ़, सीहोर मण्डीदीप, और छिंदवाड़ा में गत्ता (कार्टन) बनता है।

2) लकड़ी व फर्नीचर उद्योग → जबलपुर, उज्जैन, इटारसी छिंदवाड़ा, रीवा आदि में वन विभाग की देखरेख में इमारती लकड़ी व लट्ठे तैयार किये जाते हैं उज्जैन के महिदपुर में ~~प्लाई~~ प्लाईवुड कारखाना पहला प्लाईवुड कारखाना इटारसी में 1936 में खोला गया था।

3) शासकीय लाख कारखाना, उमरिया,
4) शिवपुरी, बानमोर, उमरिया में खैर वृक्ष कत्था तैयार होता है
5) तेंदूपत्ता से बीड़ी उद्योग - जबलपुर व सागर में।
6.) ग्वालियर में दियासलाई कारखाना
7) खिलावा (छिंदवाड़ा) में कत्थारी व पेंट कारखाना।
8) नर्मदा वुड प्रोडक्ट (इटारसी) आदि प्रमुख वन आधारित उद्योग राज्य में संचालित है।

प्रश्न : 3.5
उत्तर-

म.प्र. स्वास्थ्य की दृष्टि से पिछड़े राज्यों में शामिल है। 2018 की नीतिआयोग द्वारा जारी स्वास्थ्य एवं खुशहाली रिपोर्ट में म.प्र. का 17 वां स्थान है। सतत विकास लक्ष्य - 3 " अच्छा स्वास्थ्य और जीवनस्तर " को प्राप्त करने लिए राष्ट्र एवं राज्य प्रतिबद्ध है। अतः म.प्र. में निम्नलिखित स्वास्थ्य संबंधी योजनाएँ संचालित है जिनमें से कुछ इस प्रकार है +

- दीनदयाल अन्त्योदय उपचार योजना - म.प्र. में बीपीएल परिवारों निःशुल्क जांच एवं उपचार हेतु 2004 में शुरू।
- जननी सुरक्षा योजना - मातृमृत्युदर और नवजात शिशु मृत्यु दर में कमी लाने हेतु 2005 में प्रारंभ।
- अटल बिहारी वाजपेई बाल आरोग्य एवं पोषण मिशन - राज्य में बच्चों में कुपोषण की रोकथाम तथा बाल मृत्यु दर में कमी लाने के उद्देश्य से 2010 में प्रारंभ।
- कैंसर कीमो थैरेपी योजना - राज्य में कैंसर से पीड़ित मरीजों के लिए सभी जिलों में कैंसर कीमोथेरेपी सुनिट खोलने तथा कैंसर औषधियां उपलब्ध कराने हेतु 2014 में प्रारंभ
- मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना - यह योजना 2011 में शुरू की गई थी। इस योजनांतर्गत हृदय रोग से पीड़ित बच्चों के उपचार निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा दी जावेगी।
- मुख्यमंत्री बाल श्रवण योजना - यह योजन वर्ष 2015-16 से राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रारंभ की गई।
- निः शुल्क डायलिसिस योजना - यह योजना 2016 में प्रारंभ की गई इसके अन्तर्गत सभी जिलों सरकारी अस्पताल में निःशुल्क डायलिसिस सुविधा प्रदान करना है।
- म.प्र. मुख्यमंत्री कर्मचारी स्वास्थ्य बीमा योजना। आदि।